SMT. MAMATA SHANKAR GHOSH

Smt. Mamata Shankar Ghosh is an eminent dancer and choreographer and has also acted in Bengali, Hindi, Telugu and English films.

2. Born on 7th January, 1955 in Calcutta, daughter of the legendary dancers Uday and Amala Shankar, Smt. Ghosh had her basic training in dance and choreography at the Uday Shankar India Culture Centre in Calcutta under Smt.Amala Shankar. She also completed training in various other Indian Classical dance forms, from eminent Guru's at USICC. She, following the footsteps of her father has imbibed that rare sense of choreography, which, apart from being highly imaginative is truly Indian in spirit. She has performed in several countries as a member of USICC in noteworthy productions choreographed by her mother Smt.Amala Shankar.

3. Smt. Ghosh's dream and mission is to create an universal language through the Uday Shankar style of dance, which is Indian in spirit and universal in nature, to bring people of all caste, creed, religion, language and nation, on one platform to usher in peace and love in this world of unrest. In 1978 she and her husband Chandrodoy Ghosh formed Mamata Shankar Ballet Troupe, presently known as Mamata Shankar Dance Company. They have travelled in several countries in different parts of the world, occasionally as members of Indian Delegation sent by ICCR on cultural exchange programmes. She has conducted workshops in institutions all over India and also in U.K., USA, Japan, China, Europe, West Indies, Bangladesh, Malasiya, UAE.

4. Smt. Ghosh made her journey in films with debut as heroine in Mrinal Sen's 'Mrigaya' in 1976. She was fortunate enough to have worked with stalwarts like Satyajit Ray, Budhhadev Dasgupta,Goutam Ghosh, Raja Mitra, Rituporno Ghosh and also with several upcoming promising directors,even now. Apart from her mother tongue Bengali, she has acted in Hindi, Telugu and English as well.

5. Smt. Ghosh opened her dance institution Udayan Kalakendra in 1986 in Calcutta, which imparts lessons in the authentic Uday Shankar Dance style along with other Indian Classical dance forms. It is not an institution where only dance lessons are imparted,but also imbibes in the students the basic essence of human values,discipline,aesthetic sense and an awareness of the rich cultural heritage of our country India. The institution also provides free dance lessons to the children of Lower Income Group.

6. Smt. Ghosh received several awards for her acting prowess-National Film Fest. Award(1992),Filmfare Award-several times since 1984, BFJA Award-several occasions, Bangabandhu Puraskar (2018), Sangeet Natak Akademi Award (2019),National Women Empowerment Award (2019) to mention a few.

श्रीमती ममता शंकर घोष

श्रीमती ममता शंकर घोष एक प्रख्यात नृत्यांगना और कोरियोग्राफर हैं और उन्होंने बंगाली, हिंदी, तेलुगु और अंग्रेजी फिल्मों में अभिनय भी किया है।

2. 7 जनवरी, 1955 को कलकत्ता में जन्मी, महान नर्तक उदय और अमला शंकर की पुत्री, श्रीमती घोष ने कलकत्ता में उदय शंकर इंडिया कल्चर सेंटर में श्रीमती अमला शंकर के मार्गदर्शन में नृत्य और कोरियोग्राफी में अपना बुनियादी प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन्होंने यू.एस.आई.सी.सी. में प्रख्यात गुरुओं से विभिन्न अन्य भारतीय शास्त्रीय नृत्य शैलियों का प्रशिक्षण भी पूरा किया। उन्होंने अपने पिता के पदचिन्हों पर चलते हुए कोरियोग्राफी की उस दुर्लभ समझ को आत्मसात किया है, जो अत्यधिक कल्पनाशील होते हुए भी वास्तव में भारतीय भावना से युक्त है। उन्होंने यू.एस. आई.सी.सी. के सदस्य के रूप में अपनी माता श्रीमती अमला शंकर द्वारा कोरियोग्राफ की गई उल्लेखनीय प्रस्तुतियों में कई देशों में प्रदर्शन किया है।

3. श्रीमती घोष का सपना और मिशन उदय शंकर नृत्य शैली के माध्यम से एक ऐसी सार्वभौमिक भाषा, जो भावना में भारतीय और प्रकृति में सार्वभौमिक हो, बनाना है, सभी जाति, पंथ, धर्म, भाषा और राष्ट्र के लोगों को एक मंच पर लाना है, अशांति से भरी इस दुनिया में शांति और प्रेम लाना है। वर्ष 1978 में उन्होंने और उनके पति चंद्रोदय घोष ने ममता शंकर बैले ट्रूप का गठन किया, जिसे वर्तमान में ममता शंकर डांस कंपनी के नाम से जाना जाता है। वे दुनिया के विभिन्न हिस्सों में कई देशों की यात्रा कर चुके हैं, कभी–कभी सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रमों पर आईसीसीआर द्वारा भेजे गए भारतीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में। उन्होंने पूरे भारत में और यूके, यूएसए, जापान, चीन, यूरोप, वेस्ट इंडीज, बांग्लादेश, मलेशिया, यूएई में संस्थानों में कार्यशालाएँ आयोजित की हैं ।

4. श्रीमती घोष ने फिल्मी दुनिया में अपनी यात्रा वर्ष 1976 में मृणाल सेन की फिल्म 'मृगया' में नायिका के रूप में शुरू की थी। उन्हें सत्यजीत रे, बुद्धदेव दासगुप्ता, गौतम घोष, राजा मित्रा , रितुपर्नो घोष जैसे दिग्गजों और कई उभरते हुए होनहार निर्देशकों के साथ काम करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। अपनी मातृभाषा बंगाली के अलावा, उन्होंने हिंदी, तेलुगु और अंग्रेजी में भी अभिनय किया है।

5. श्रीमती घोष ने वर्ष 1986 में कलकत्ता में अपने नृत्य संस्थान उदयन कलाकेंद्र की स्थापना की, जो अन्य भारतीय शास्त्रीय नृत्य शैलियों के साथ–साथ प्रामाणिक उदय शंकर नृत्य शैली की शिक्षा प्रदान करता है। यह एक ऐसा संस्थान नहीं है जहाँ केवल नृत्य की शिक्षा दी जाती है, बल्कि छात्रों में मानवीय मूल्यों, अनुशासन, सौंदर्य बोध और हमारे देश भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के बारे में जागरूकता का मूल सार भी विकसित किया जाता है। यह संस्था निम्न आय वर्ग के बच्चों को निःशुल्क नृत्य की शिक्षा भी प्रदान करती है।

6. श्रीमती घोष को उनके अभिनय कौशल के लिए कई पुरस्कार मिले जिसमें – राष्ट्रीय फिल्म उत्सव पुरस्कार (1992), फिल्मफेयर पुरस्कार–1984 से कई बार, बीएफजेए पुरस्कार–कई बार, बंगबंधु पुरस्कार (2018), संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार (2019), राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण पुरस्कार (2019) आदि का उल्लेख यहां किया गया है।